B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-VI

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. संस्कृतभाषया देवनागरी लिप्या च *प्रश्नदशकं* समाधेयम्। प्रति विभागात् न्यूनातिन्यूनम् *प्रश्नत्रयं* समाधेयम्। 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি প্রশ্নের* উত্তর লেখো। প্রতিটি বিভাগ থেকে অন্ততঃপক্ষে *তিনটি প্রশ্নের* উত্তর দিতে হবে। প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

'क'-विभागः

'ক'-বিভাগ

(a) छन्दोमञ्जरीमनुसृत्य गुरोः अक्षरस्य लक्षणं प्रदेयम्।
'छन्दोमञ्जरी' অনুসরণ করে গুরু অক্ষরের লক্ষণ লেখো।

(b) जातिर्नाम का?
জাতি কাকে বলে?

(c) किं नाम अर्धसमवृत्तम्?
অর্ধসমবৃত্ত কাকে বলে?

(d) गणानां स्वरूपाणि लिख।
গণগুলোর স্বরূপ লেখো।

(e) मालिनीच्छन्दसः लक्षणं लिख्यताम्।
'मालिनी' ছন্দের লক্ষণ লেখো।

'ख'-विभागः

'খ'-বিভাগ

(a) 'शास्त्रतस्ते' इति सूत्रे 'ते' इतिपदस्य कोऽर्थः?
'शास्त्रतस्ते' এই সূত্রে 'ते' এই পদের দ্বারা কী বোঝানো হয়েছে?

(b) 'काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः' इति ग्रन्थस्य आनुमानिकं रचनाकालमुल्लेखय। ग्रन्थस्यास्य वृत्तेः नाम किम्?
'काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः' গ্রন্থের আনুমানিক রচনাকাল উল্লেখ করো। এই গ্রন্থের বৃত্তির নাম কী?

(c) 'चूर्णम्', 'उत्कलिकाप्रायम्' इति पदद्वयस्य पार्थक्यं लिख्यताम्।
'चूर्णम्' এবং 'उत्कलिकाप्रायम्' পদদুটির পার্থক্য নির্দেশ করো।

(d) वामनमतानुसारेण 'सतृणाभ्यवहारी' इति पदस्य अर्थद्वयं विशदीक्रियताम्।
বামনের মতে 'सतृणाभ्यवहारी' পদের দুইটি অর্থ পরিষ্কার করো।

(e) वामनकृते 'काव्यं गद्यं पद्यं च' इति वचने कथं 'गद्यम् इति पदस्य पूर्वनिर्देशः?
'काव्यं गद्यं पद्यं च' বামনকৃত এই উক্তিতে 'गद्यं' পদটির পূর্ব নির্দেশ কেন করা হয়েছে?

'ग'-विभागः
'গ'-বিভাগ

(a) श्लेषः इति अलंकारस्य संज्ञा दीयताम्।
শ্লেষ অলংকারের সংজ্ঞা দাও।

(b) उपमालंकारस्य उदाहरणं दीयताम्।
'उपमा' অলংকারের উদাহরণ দাও।

(c) रूपकालंकारस्य लक्षणे 'निरपह्नवे' इति पदस्य किं तात्पर्यम्?
'रूपक' অলংকারের লক্ষণে 'निरपह्नवे'— এই পদের তাৎপর্য কী?

(d) 'अतिशयोक्तिः' इत्यलंकारस्य उदाहरणं दीयताम्।
'अतिशयोक्तिः' অলংকারের উদাহরণ দাও।

(e) साहित्यदर्पणानुसारम् अलंकारः कतिविधः? के ते?
সাহিত্যদর্পণ অনুসারে অলংকার কত প্রকার ও কী কী?

2. अधःसंस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुष्टयं* समाधेयम्। तेषु यत्किञ्चन *द्वितयं* संस्कृतभाषया लिख्यताम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো চারটি প্রশ্নের* উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি প্রশ্নের* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) चरणविश्लेषणपूर्वकं छन्दोनिर्णयः कर्तव्यः।
চরণ বিশ্লেষণ করে ছন্দ নির্ণয় করো।
भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि

(b) 'पूर्वे शिष्याः विवेकित्वात्'– सूत्रमिदं व्याख्यायताम्।
'पूर्वे शिष्याः विवेकित्वात्'— সূত্রটি ব্যাখ্যা করো।

अथवा,

'न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत'– सूत्रमिदं व्याख्यायताम्।
'न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत'— সূত্রটি ব্যাখ্যা করো।

(c) वैषम्यं लिख्यताम्।

वैषम्य लेखो।

रूपक-उत्प्रेक्षा

(d) अलंकार: निर्णीयताम्।

अलंकार निर्णय करो।

बृहत्सहाय: कार्यान्तं क्षोदीयानपि गच्छति।

सम्भूयाम्भोधिमभ्येति महानद्या नगापगा।।

अथवा,

ज्ञनि मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्यय:।

गुणा गुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव।।

(e) वामनमतानुसारेण 'सौन्दर्य्यमलंकार:' इति सूत्रम् आलोच्यताम्।

वामनेर मत अनुसारे 'सौन्दर्य्यमलंकार:' सूत्रटि आलोचना करो।

(f) टीका लिख्यताम्।

टीका लेखो ः

गौडीया रीति: अथवा पाञ्चाली रीति:

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *प्रश्नद्वयं* समाधेयम् : 10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नगुलिर मध्ये *दुटि प्रश्नेर* उत्तर दाओ ः

(a) मन्दाक्रान्तावसन्ततिलकयो: लक्षणोदाहरणपुर:सरम् आलोचना करणीया।

मन्दाक्रान्ता ও বসন্ততিলক ছন্দের লক্ষণ ও উদাহরণ আলোচনা করো।

(b) निदर्शनादृष्टान्तयो: लक्षणोदाहरणपुर:सरम् आलोचना करणीया।

निदर्शना ও দৃষ্টান্ত অলংকারের লক্ষণ ও উদাহরণ আলোচনা করো।

(c) 'कवित्वबीजं प्रतिभानम्'– इति सूत्रम् आलोच्यताम्।

'कवित्वबीजं प्रतिभानम्'— অংশটি আলোচনা করো।

(d) वामनमतानुसारेण 'काव्याङ्गानि' आलोच्यन्ताम्।

বামনের মত অনুসারে কাব্যাঙ্গসমূহের আলোচনা করো।